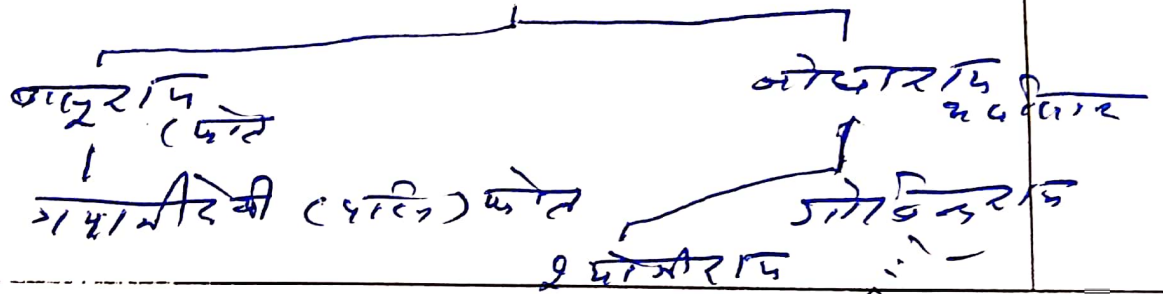


15-6-16

पत्रावली आज रात को भेजा जाना
 में देखा हुई। पत्रावली को अकालोक्त
 किया। अतीतान्त का कथन है कि जाण्ड
 निराशा द्वारा इसके पिता की छुट्टी पर
 इसके छोटे भाई का बुराव के पक्ष में जा रहे
 202 दिनांक 5.9.2001 भर दिनांक अर्थात्
 जो ज्ञान है वही कि अतीतान्त का
 कथन था - कथाराम कोठ



उप खण्ड अधिकारी
 बौतारामगढ़

अपीलान्ट के लखन अन्वयित अपीलान्ट
 के कडे मर्दाने कालूराम के हल पर कहर
 परिनियुक्तानी देवी रूपा सुमानी देवी की
 हल पर विरामत मानान्तकदर
 कालूराम के नाथोलार कोन होने के
 कारण अपीलान्ट के माफ कर दिपा
 जाना था जिसके ध्यान पर जोगिन्दराम
 के कालूराम का जोदपुत्र मानकर उग्र
 द्वारा नानो 202 अरा रिफा गपानो
 मिस रिफा जाने योग्य है। पत्रवली
 पर उपलब्ध सूचो के नानो 202
 का अवलोकन रिफा। अपीलान्ट द्वारा
 नानो सूचो के लन्दुवट होने के
 पश्चात उग्र पंचायत किराणा द्वारा
 स्वीकार रिफा गपान मानान्तकदर संस्था
 202 दिनांक 5.9.2001 तारिक रिफा
 जाता है। तदुसीनदात दोतरामगढ के
 निर्देशित रिफा जाता है कि कालूराम
 पुत्र कालूराम के निधिस करिसो की
 ओच कर। पुत्र पक्षकारो को पुनर्वर्हि
 कर अवलर देकर निधिस वारिसो
 के पक्ष में मानान्तकदर दर्ज करे।
 तदुसीनदात दोतरामगढ को फालन हो
 तदुसीन जाती हो। पत्रवली के लख
 शुभद होकर नम्बा ले कर हो।

जान
 उपखण्ड अधिकारी
 कैलाशगढ